मड़धूरा में ही संचालित होगा नन्ही परी सीमांत इंजीनियरिंग कॉलेज

संवाद न्यूज एजेंसी

पिथौरागढ़। लंबे समय से विवादों में रहा नन्ही परी सीमांत इंजीनियरिंग कॉलेज अब मड़धूरा में ही संचालित होगा। जल्द भवन के सुरक्षात्मक कार्य शुरू हो जाएंगे। इस बात की पुष्टि तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति ओंकार सिंह और डीएम रीना जोशी ने की है। कॉलेज का निर्माण करने वाली कार्यदायी संस्था यूपी निर्माण निगम से सरकार अनियमितता की वसूली भी करेगी।

पिथौरागढ़ से 10 किमी दूर मड़धूरा

अमर उजाला ने प्रमुखता से किया था खबर को प्रकाशित

अमर उजाला इंपैक्ट

में 14.5 करोड़ रुपये खर्च कर नन्ही परी सीमांत इंजीनियरिंग कॉलेज का निर्माण किया गया है। भवन के पिछले हिस्से में सुरक्षात्मक कार्य नहीं किए गए। इस वजह से लगातार भूस्खलन होने से इंजीनियरिंग कॉलेज के प्रथम तल में मलबा घुस गया था। कुछ समय यहां कक्षाओं के संचालन के

सुनहरे भविष्य के सपनों पर कीचड़ के बाद घास उगी

सीमांत इंजीनियरिंग कॉलेज के चारों ओर घंस रही जमीन और पीछे की ओर हो रहा भूस्खलन, निदेशक की कुर्सी-टेबल भी मिट्टी से दबे

14.19

बाद इसे केएनयू जीआईसी में शिफ्ट कर दिया था। लोगों का कहना है कि मड़धूरा में ही सीमांत इंजीनियरिंग कॉलेज का संचालन होना चाहिए क्योंकि इस स्थान पर सरकार ने 14.5 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। इस मामले को अमर उजाला ने प्रमुखता से उठाया था। खबर प्रकाशित होने के बाद उच्च न्यायालय ने स्वतः संज्ञान लेते हुए प्रशासन से रिपोर्ट मांगी थी।

हाईकोर्ट में चल रहा है मामला

पिथौरागढ़। सीमांत इंजीनियरिंग का मामला हाईकोर्ट भी चल रहा है। अब तक इस मामले में सुनवाई नहीं हुई है। हाईकोर्ट ने खबर का स्वतः ही संज्ञान लेते हुए सरकार से जवाब मांगा था। कोर्ट ने सरकार और डीएम से इसकी पूरी रिपोर्ट मांगी थी। शासन ने इसकी जांच के लिए डीएम की अध्यक्षता में कमेटी का गठन भी किया था। संवाद

नन्ही परी सीमांत इंजीनियरिंग कॉलेज को मूल कैंपस में ले जाने की तैयारी की जा रही है। जल्द यहां सुरक्षात्मक कार्य शुरू हो जाएंगे। फैकल्टी नियुक्ति के लिए विश्वविद्यालय की नियमावली में संशोधन होना है जल्द इंजीनियरिंग कॉलेजों में नियुक्तियां की जाएंगी। **- ओंकार सिंह कुलपति माधो सिंह भंडारी तकनीकी विश्वविद्यालय उत्तराखंड।**

मड़धूरा में ही इंजीनियरिंग कॉलेज का संचालन किया जाएगा। कार्यदायी संस्था से अनियमितता के रुपये भी वसूले जाएंगे। **- रीना जोशी, डीएम पिथौरागढ़।**